भारत सरकार

मात्स्यिकी, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

पशुपालन और डेयरी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 441

दिनांक 25 जून, 2019 के लिए प्रश्न

विषय: दूध दुग्ध उत्पादों, अंडा और कुक्कुट मांस का उत्पादन

441. श्री एच॰ वसंतकुमारः

क्या मात्स्यिकी, पशुपालन और डेयरी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) गत तीन वर्षों के दौरान दूध और दुग्ध उत्पादों, अंडा और कुक्कुट-मांस का अनुमानित उत्पादन कितना है;

(ख) क्या देश में कुक्कुट और दुग्ध उद्योगों के उत्पादन में गिरावट की प्रवृत्ति दिख रही है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इसके क्या कारण हो;

(घ) क्या सरकार ने इन उद्योगों के आधुनिकीकरण में आधुनिकतम वैज्ञानिक विकासों को अपनाने के लिए कोई कदम उठाया है तथा यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा देश में कुक्कुट उत्पादों, दूध और दुग्ध उत्पादों की वर्तमान मांग और आपूर्ति का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) कुक्कुट, दूध और दुग्ध उत्पादों के उत्पादन में बढ़ोतरी के लिए आगामी वर्षों के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हो?

उत्तर

मात्स्यिकी, पशुपालन और डेयरी राज्यमंत्री

(डॉ0 संजीव कुमार बालियान)

भाग (क) पिछले तीन वर्षों के दौरान दूध, अंडों और कुक्कुट मांस का अनुमानित उत्पादन नीचे दिया गया है:-

वर्ष	दूध उत्पादन (मिलियन टन में) अखिल भारत	अंडा उत्पादन (मिलियन संख्या में) अखिल भारत	कुक्कुट मांस का उत्पादन (000 टन) अखिल भारत
2015-16	155.49	82928.44	3263.81
2016-17	165.40	88136.96	3463.65
2017-18	176.34	95217.00	3766.94

(ख) और (ग) देश में दूध उत्पादन जो वर्ष 2015-16 में 155 मिलियन टन था, वर्ष 2017-18 में बढ़कर 176.34 मिलियन टन हो गया है। इसी प्रकार, अंडों का उत्पादन जो वर्ष 2015-16 में 82928.44 मिलियन था, वर्ष 2017-18 में बढ़कर 95217.00 मिलियन हो गया है। कुक्कुट मांस उत्पादन भी 2015-16 में 3.264 मिलियन टन से बढ़कर 2017-18 में 3.767 मिलियन टन हो गया है।

(घ) और (ड.) विभाग देश में किसानों की आय को बढ़ाने में सहायतार्थ गुणवत्ता पूर्ण दूध के उत्पादन, खरीद और प्रसंस्करण तथा दूध और दुग्ध उत्पादों के विपणन के लिए डेयरी अवसंरचना के सृजन तथा सुद्दढीकरण/ आधुनिकीकरण के लिए निम्नलिखित डेयरी विकास योजनाएं कार्यान्वित कर रहा है:

(i) राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम
(ii) राष्ट्रीय डेयरी योजना-।
(iii) डेयरी उद्यमशीलता विकास योजना
(iv) डेयरी प्रसंस्करण और अवंसरचना विकास निधि योजना
(v) डेयरी कार्यकलापों में लगे डेयरी सहकारिताओं और किसान उत्पादक संगठनों को सहायता।
(vi) राष्ट्रीय पशुधन मिशन

इसके अलावा, डेयरी क्षेत्र में आने वाले वर्षों मे दूध और दुग्ध उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए, दुधारू पशुओं के आनुवांशिक सुधार, अत्याधुनिक डेयरी उत्पादन प्रणालियों को विकसित करने, उन्नत पोषण कार्यनीतियों आदि के जरिए दूध देने वाले पशुओं की उत्पादकता बढ़ाने के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा अनुसंधान कार्यकलाप आरंभ किए गए हैं। इसके अतिरिक्त किसानों को ज्ञान का प्रसार करने हेतु "किसानों के द्वार पर शिक्षा" और "किसान कृषि स्कूल" जैसे सम्पर्क कार्यक्रम नियमित आधार पर आयोजित किए जा रहे हैं ताकि उन्हें वैज्ञानिक डेयरी फार्मिंग प्रकियाओं का अनुसरण करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। इसके अलावा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने अनेक अनुसंधान प्रयासों के जारिए स्थानीय/देशी किस्मों की तुलना में अंडा उत्पादन को दुगना करने वाली कुछ नई घरेलू कुक्कुट किस्मों को विकसित और जारी किया है।

*****